लॉक डाउन से सबक

बिरो माहला
पखांजूर, कांकेर
छत्तीसगढ़

दुनिया में मौत का तांडव मचा चुका कोरोना का अभी तक कारगर इलाज ढूंढा नहीं जा सका है। ऐसे में यदि इससे बचना है तो घर के अन्दर ही रहने में भलाई है। यही कारण है कि सभी देशों की सरकारों ने इसके संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए लॉक डाउन करवाया। भारत में भी इससे बचने के लिए पूरे देश में लॉक डाउन कराया गया, जो बहुत हद तक कारगार साबित हो रहा है। शुरूआत में घर के अन्दर रहना किसी जेल के कैदी से कम नहीं लग रहा था लेकिन इस बिमारी से सुरक्षित रहने के लिए यही उपाय ठीक है।

लॉक डाउन के कारण छत्तीसगढ़ के कांकेर जिला स्थित पखांजूर में पहली बार मुख्य चौक,चौराहे तेज रफ्तार गाड़ियों और लोगों की भीड़भाड़ से अचानक शांत हो गया है। सड़कें वीरान हो गईं, ऐसा लग रहा है जैसे जिन्दगी थम सी गई हो। इस बिमारी ने सभी को घर के अन्दर कैद कर दिया है पिंजरे में बंद किसी पंछी की तरह। जहां उसकी देखभाल तो करते हैं, खाने की व्यवस्था भी करते हैं, परंतु उसे

आसमान में उड़ने नहीं देते हैं। पखांजूर के अंतर्गत गांवों को संक्रमण से सुरक्षित रखने के लिए सभी सीमाएँ सील कर दी गई। ताकि अनजाने से भी कोई संक्रमित व्यक्ति क्षेत्र में प्रवेश न कर सके। जो व्यक्ति दूसरे ज़िलों अथवा राज्यों से इस इलाके में प्रवेश भी कर रहे हैं उन्हे 14 दिनों तक आइसोलेशन में रखा जाता है और सभी परिवार इसका कड़ाई से पालन भी कर रहे हैं।

इस लॉक डाउन में सबसे अधिक गरीब व मध्यमवर्गीय लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि पखांजूर में जिला व स्थानीय प्रशासन और समाजसेवी संस्थाओं के बेहतर समन्वय से जरूरतमंदो तक राशन उपलब्ध कराने से राहत मिली है। वहीं दूसरी ओर लॉक डाउन में आवश्यक वस्तु एवं सेवाओं की दुकान खुली रहने से आम जनता को भी ज्यादा परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ा है। इस क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही है कि लॉक डाउन के दौरान ग्रामीण अंचलों में दो माह तक फ्री में राशन वितरण की स्कीम ने राहत का काम किया है। इसके अतिरिक्त गरीबों को अन्य जरूरत का समान खरीदने व पैसों की कमी ना हो, इसके लिए राज्य सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना का काम चालू करवाना सराहनीय कदम रहा है। इसमें काम करने वाले मजदूर सभी प्रकार के सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए काम कर रहे हैं।

वास्तव में पहली बार हमने अपने आपको व पूरे परिवार को घर में कैद होते हुए देखा है। ना कहीं आना और न कहीं जाना हो रहा है। सब बंद है, बस दूर से ही बात करना रह गया है। इस दौरान टी.वी. और मोबाईल ही मनोरंजन का एकमात्र साधन है जो देश दुनिया की ख़बरों से रूबरू कराती है। इसके अतिरिक्त इस लॉक डाउन में जो लोग अपने घर परिवार से दूर हैं उनके लिए मोबाईल ही एक माध्यम है जो दूर होते हुए भी परिवार के पास रहने का एहसास दिला रहा है। बहरहाल इस कोरोना बिमारी ने हम सभी को सबक दे दिया है कि "जिन्दगी प्यारी है तो घर के अंदर रहें, स्वस्थ्य रहें, सुरक्षित रहें।"